वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 231 | मंगलवार 19 दिसम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सांगानेर स्टेडियम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा...

हर जरूरतमंद को योजना का मिलेगा लाभ

जयपुर. कासं

राजधानी के सांगानेर स्टेडियम से सोमवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के शहरी अभियान की शुरूआत हुई। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कार्यक्रम स्थल पर लगी प्रदर्शनी में जाकर कुछ लाभार्थियों से बातचीत की और उन्हें चेक भी दिए। इसके बाद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत सरकार के द्वार खुले हैं। हर जरूरतमंद के सपने को साकार कराइए। अब कोई भी योजनाओं का लाभ लेने से अछूता नहीं रहेगा। योजनाओं का पूरा लाभ आमजन को मिलेगा और नहीं मिलने पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

हर जोन में निगम लगाएगा शिविर

यह यात्रा राजस्थान अमित छाप छोड़ेगी। अंतिम पंक्ति में बैठे लोग आगे आएंगे तभी विकसित भारत बनेगा। अभियान के तीसरे चरण का आगाज सांगा बाबा की धरती से हुआ है। ये यात्रा देश को जोड़ रही है। योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचें, इसके लिए निगम से सातों जोन में शिविर लगवाए जाएंगे। **-सौम्या गुर्जर, महापौर, ग्रेटर नगर निगम**

राजस्थान को मिला बेस्ट डोमेस्टिक डेस्टिनेशन स्टेट अवॉर्ड

दिल्ली में आयोजित समारोह में टूरिज्म डिपार्टमेंट की संयुक्त निदेशक सुमिता सरोच ने प्राप्त किया अवॉर्ड

जयपुर. कासं। दिल्ली में ट्रेवल प्लस लीजर की ओर से इंडियाज बेस्ट अवॉर्ड-2023 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान को बेस्ट डोमेस्टिक डेस्टिनेशन स्टेट अवार्ड से नवाजा गया। प्रदेश पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशकश्री सुमिता सरोच ने यह अवॉर्ड प्राप्त किया। गौरतलब है कि इंडियाज बेस्ट अवार्ड्स, ट्रैवल प्लस लीजर इंडिया और दक्षिण एशिया की ओर से प्रदान किया जाता है। रीडर्स और ट्रेवलर्स की वोटिंग के आधार पर यह अवॉर्ड दिए जाते हैं। इंडियाज बेस्ट अवॉर्ड (आईबीए) का यह 12 वां संस्करण आईटीसी मौर्या में आयोजित किया गया। इस अवार्ड समारोह में बेस्ट डोमेस्टिक डेस्टिनेशन स्टेट अवार्ड मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ रश्मि शर्मा ने कहा कि यह अवॉर्ड प्रदेश पर्यटन की लोकप्रियता को और बढ़ावा देने में सहायक होगा। राजस्थान में पर्यटकों को पर्यटन के सभी आयाम देखने को मिलते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों में राजस्थान को आठ और श्रेणियों में अवार्ड दिए गए। 1 बेस्ट लेजर होटल- हयात रीजेंसी, जयपुर 2 बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन होटल - होटल फेयर मॉउन्ट, जयपुर 3 बेस्ट फैमिली होटल- होटल ट्रायडेंट, उदयपुर 4 बेस्ट लग्जरी होटल इन इंडिया- होटल राफेल, उदयपुर 5 बेस्ट लग्जरी होटल्स एडिटर्स च्वाइस- होटल ओबेराय उदयविलास, उदयपुर 6 बेस्ट न्यू होटल व रिसोर्ट (डोमेस्टिक होटल्स) - एकाया, उदयपुर 7. बेस्ट सस्टेनेबल होटल व रिसोर्ट - सिक्थ सैंस फोर्ट बरवाड़ा 8. हिडन जैम ऑफ द ईयर(एडिटर्स फाइन्ड)- द अनंता, उदयपुर।

रोबोटिक सर्जरी से अधिक सटीक होगा इम्प्लांट प्लेसमेंट

जयपुर. कासं

आधुनिक लाइफ स्टाइल के कारण अब कम उम्र में घुटने के जोड़ों की समस्या बढ़ गई हैं जिसके कारण नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के परिणाम रोबोटिक सर्जरी से कहीं अधिक बेहतर हो गए हैं। पहले राजस्थान एवं आसपास राज्यों के लोगों को रोबोटिक सर्जरी के लिए दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े शहरों में जाना पड़ता था। लेकिन अब यह सुविधा जयपुर के मानसरोवर स्थित मंगलम प्लस मेडिसिटी हॉस्पिटल में आमजन के लिए उपलब्ध है। हॉस्पिटल के सीनियर रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. एसएस खत्री ने बताया है कि यह प्रणाली सर्जन को 100 प्रतिशत सटीकता के साथ प्रत्यारोपण करने में मदद करती है। सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें हड्डी कम काटनी पड़ती है। रोबोटिक हाथ स्वचलित रूप से कार्टिलेज की सही मात्रा को अपनी जगह से हटा देता है। वहीं रोबोटिक्स यह भी सुनिश्चित करता है कि इस प्रक्रिया के दौरान कम से कम मात्रा में लिगामेंट रिलीज हो, जिससे मरीज के कृत्रिम घुटने भी प्राकृतिक घुटने की तरह लगते हैं। रोबोटिक्स के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि यह टोटल, पार्शियल दोनों नी रिप्लेसमेंट के लिए उपलब्ध है। जयपुर में अब रोबोटिक सर्जरी करवाने के लिए राजस्थान के अलावा पंजाब, हरियाणा, बंगाल, मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी लोग आ रहे हैं। हॉस्पिटल की डायरेक्टर नेहा गुप्ता ने कहा कि रोबोट सर्जरी एक नई इनोवेशन है, जिसने आर्थोपेडिक्स के क्षेत्र में काफी बड़ा बदलाव किया है। यह रियल टाइम इंटेलिजेंसी पर काम करता है जिससे हर मरीज को कस्टमाइज सर्जरी के साथ सटीक परिणाम मिलते हैं। रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी में प्रत्यारोपण से पहले ही पूरी प्लानिंग तैयार कर ली जाती है जिससे गलती की गुंजाइश बिल्कुल खत्म हो जाती है। रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी से अधिक सटीक तरीके से इम्प्लांट प्लेसमेंट में मदद मिलती है। वहीं सर्जरी के दौरान टिशू को होने वाली क्षति और खून की हानि कम होती है।

अनुराग्यम डांस लीग सीजन 3 का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भव्य आयोजन किया गया

सुशी सक्सेना. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। अनुराग्यम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुराग्यम डांस लीग सीजन 3 का यूट्यूब लाइव पर भव्य आयोजन किया। देश विदेश से लाखों लोगों ने 25 नृत्यकारों का इस भव्य आयोजन में हौसला बढ़ाया। अनुराग्यम एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है जो दिल्ली से अपने सभी भव्य आयोजनों को समय समय पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कला, संस्कृति, साहित्य, साइंस एवं टेक्नोलॉजी को आयाम देता है। अनुराग्यम डांस लीग सीजन 3 का मुख्य कार्यभार आयोजन सचिव ममता रजक जी एवं अनुराग्यम के संस्थापक सचिन चतुर्वेदी का रहा। संचालिका सीमा वालिया ने देश विदेश के सामने अनुराग्यम की ओर से इस भव्य आयोजन का संचालन किया। सीमा वालिया ने अनुराग्यम और अनुराग्यम डांस लीग सीजन 3 का उल्लेख करते हुए इस भव्य आयोजन के चार प्रमुख जजों का स्वागत किया। सीमा गर्ग, जश टिसवार्ड, अपर्णा चित्तोरिया और बीनू सिंह ने अपने इस कार्य भार को इन 25 बहुमुखी प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाते हुए इन सबका जजमेंट किया। 25 बहुमुखी प्रतिभागियों में ग्रुप ए से श्रीवाली शेट्टीगर, सानवी गुप्ता, देबांग्शी दास, अर्निमा मोल्फा, अमृता पाल, दिविशा रतनानी, लक्षिता बैद और श्रेयान्वी मिश्रा। ग्रुप बी से अवनि न्यूगी, चतुर्य कामू, देबोलीना बैग, वाणिका कौशिक, फॉस्टिना परनबी सरकार, आशना दिल्लीवार, सौमिली सेनगुप्ता। ग्रुप सी से ओइसिकी सिन्हा, शॉन अहमद, सृष्टि बेनीवाल, दिशिका छाबड़ा, दिविषा जैन, तारुषी राजोरा। ग्रुप डी से मातंगी शंकर, श्रीमती. शीतल, मेघना गुहा, एस हरिका सत्य उपस्थित थे। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए इंजीनियर अंकिता बाहेती जी (दोहा कतर), अर्चना श्रीवास्तव जी (मलेशिया), मीनू बाला जी (पंजाब), संगीता वर्षाय जी (अलीगढ़), ज्योति माथुर जी (ऑस्ट्रेलिया), वेरोनिका आर. पिंगोल जी (होंग कोंग), अभिषेक शुक्ला जी (उत्तर प्रदेश), ध्रुव तिवारी जी (छत्तीसगढ़) और सुशी सक्सेना जी (मध्य प्रदेश) से सभी कोऑर्डिनेटरों ने अपना पूर्ण सहयोग दिया। अंत में डॉ. तरूणा माथुर जी, प्रिंसपल इन्वेस्टिगेटर, अनुराग्यम ने सभी प्रतिभागियों, जजों, कोऑर्डिनेटरों एवं समस्त अनुराग्यम परिवार को धन्यवाद दिया। अनुराग्यम डांस लीग की संयोजक डॉ निधि बंसल जी और सह संयोजक दीपाली जैन जी ने अनुराग्यम और अनुराग्यम डांस लीग सीजन 3 के बारे में उल्लेख किया और सभी प्रतिभागियों एवं जजों को धन्यवाद दिया।

शिक्षा और संस्कार बिना जीवन अधूरा

भंवरलाल गोठी स्कूल में तीन दिवसीय रजत जयंती समारोह का समापन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति की ओर से संचालित भंवरलाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल का रजत जयंती समारोह हर्सोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समारोह के तीसरे दिन आयोजित 'सीजन ऑफ जॉय' कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुति दी। अतिथियों के स्वागत में विद्यालय के बैंड ने सुमधुर स्वर लहरियां बिखेरी। समारोह के मुख्य अतिथि वर्द्धमान शिक्षण समिति अध्यक्ष शांतिलाल नाबरिया एवं मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने भगवान महावीर स्वामी और मां शारदे का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों ने णमोकार महामंत्र और गणेश वंदना प्रस्तुत की। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौतमचंद बोहरा, गौतमचंद गोखरू, प्रकाशचंद गदिया, सुनील ओस्तवाल, रमेशचंद मेड़तवाल, दीपचंद कोठारी ने बतौर अतिथि शिरकत की। विद्यालय निदेशक डॉ. आर.सी. लोढ़ा, प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा ने अतिथियों का स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि शांतिलाल नाबरिया ने भंवरलाल गोठी स्कूल के 25 वर्ष पूर्ण होने पर हर्ष जताया। उन्होंने कहा कि हमारे विद्यालय के विद्यार्थी देशभर में उच्च पदों पर आसीन हैं। हमारे विद्यालय ने शैक्षिक, सांस्कृतिक और खेलकूद क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देशभर में नाम रोशन किया है। हम विद्यालय विकास के लिए भौतिक सुख-सुविधाएं उपलब्ध करवाने को प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने धार्मिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में संदेश दिया कि शिक्षा और संस्कार के बिना जीवन अधूरा है। अतिथियों ने शैक्षणिक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अंक लाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। अंत में दीपक गुप्ता ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा शगुन राठी व वैशाली पंवार ने किया। कार्यक्रम में रविंद्र लोढ़ा, विशाल नाहटा, महावीर बिनायकिया, उत्तमचंद देरासरिया, वैभव सकलेचा, दुलराज मकाणा, प्रिंस ओस्तवाल, अतुल कांकरिया, देवराज लोढ़ा, अशोक सुराणा समेत देशभर से पधारे अतिथि, विद्यालय स्टाफ, अभिभावक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

जरूरतमंदों को कम्बल वितरण किये

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ ने दिनांक 16 दिसंबर 2023 को सामाजिक कार्यों की श्रृंखला में दुगार्पुरा फ्लाईओवर के पास रात्रि 10:30 बजे जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरित किया गया। मुख्य समन्वयक एवं उपाध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि कार्यक्रम में ग्रुप अध्यक्ष राहुल रश्मि जैन, संस्थापक अध्यक्ष मनीष किरण झंझरी, पूर्व अध्यक्ष अभय अंजना गंगवाल संजय संगीता जैन, सचिव राजेंद्र संगीता जैन ,संगठन मंत्री सुकेश सपना काला, अजय ऋतु जैन, प्रमोद सुनीता, विशुतोष नीति चंदवाड उपस्थित थे।

जियो और जीने दो में से जीने दो आपका बहुत कम जोर है : मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

छीपीटोला में हो रही है धर्म सभा

आगरा. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर ने अपने शुभ सन्देश में जियो और जीने कहा है और आप लोगों ने जीने दो को कम जोर कर दिया यदि आपकी ओर से जीने दो को कम जोर किया जाता रहेगा तो मेरे पास तुम्हारे लिए कोई जगह नहीं है जीने दो में ही तो अहिंसा धर्म छूपा है और आप लोग उसी को छोड़ रहे हैं जीने दो का पालन करने वालो की धर्म मां की तरह रक्षा करता है जिस प्रकार मां विना वोले वच्चे के पसली के दर्द को जान लेती है ये मां ही है जो आपके दर्द को समझने वाली जिनवाणी मां है और उसको आपसे मिलने वाले गुरु आपके सामने वैठे है जो मानवता की वात करते हैं मानव मूल्यों के लिए ही तो सब कुछ करते रहते हैं उक्त आश्य केउद्गार छीपीटोला में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने बताया।

थूवोनजी कमेटी व अशोक नगर समाज गुरु देव का मार्गदर्शन चाह रही हैं : विजय धुर्रा

इसके पहले मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के पाद प्रक्षालन के साथ ही पूजन का सौभाग्य मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, आडिटर राजीव चन्देरी, मुनि संघ सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष राधेलाल चाचा सहित जैन श्रीश जैन ललितपुर सचिन जैन दिल्ली सहित भक्तो ने प्राप्त किया।इस दौरान दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि थूवोनजी कमेटी व अशोक नगर

जैन समाज कल आ रही है समाजिक गतिविधियों और नव निर्माण सहित अन्य कार्यों की पूर्ति के लिए पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद लेने आ रहे हैं ।परम पूज्य गुरुदेव की कृपा और मार्ग दर्शन तीर्थ क्षेत्र कमेटी को निरन्तर मिलता रहा है और आगे मिलता रहे हम सब यही प्रार्थना लेकर आयें है। इस दौरान मुनि पुंगव ने कहा कि भगवान वेदना से बहुत परे है उन्हें शेर खा रहा है तो भी बैठे हैं उन्हें अपनी ही खबर नहीं है वे तो ऐसे ध्यान में डूबे हैं कि इस लोक से ऊपर उठ गये है इसलिए आपको गुरु के साहारे की आवश्यकता रहेगी भगवान के समवशरण में आप जा रहे हैं तो आपको उनकी दिव्य ध्वनि सुनने को मिल जायेगी यदि आप कहें कि भगवान उपदेश आपके लिए है ये तो उनकी सहज देशना है जो हमें मिल गई सब कहते हैं कि वे साधु मेरे उर वसो हरो मेरी पीर गुरु की महिमा वरनी ना जाये गुरु नाम जपो मन वचन काय इस तरह की भावनाएं वनाकर रखना चाहते हैं ।इस दौरान संचालन करते हुए मनोज जैन ने कहा है छीपीटोला जैन मन्दिर को एक भव्य रूप देने की तैयारी को पूज्य गुरुदेव के सान्निध्य में अंतिम रूप दिया गया इस हेतु मन्दिर की रुप रेखा को समाज की कमेटी ने रखा और परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्रीसुधासागर जी महाराज के निर्देशन में पूर्ण करने का संकल्प लिया।

विश्व जैन संगठन द्वारा जैन तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ जनआंदोलन की शुरूआत

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

विश्व जैन संगठन द्वारा नई दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में जैन तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ जनांदोलन के अंतर्गत आयोजित विशाल विरोध रैली में राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने कहा कि 22वे जैन तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान की मोक्ष स्थल जूनागढ़, गुजरात की सर्वोच्च पर्वत गिरनार जी की 5वी टोंक उर्जयंत पर वर्ष 2004 से अवैध निर्माण व अतिक्रमण हटाने, जैन समाज के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार और मारपीट रोकने, गुजरात हाई कोर्ट के 17 फरवरी 2005 के आदेश का पालन कराने और पूर्व सांसद महेश गिरी द्वारा जूनागढ़ में 7 अक्टूबर को आयोजित प्रेस वार्ता और 28 अक्टूबर 2023 को आयोजित सार्वजनिक सभा में जैन धर्म, संतों और समाज को झूठे तथ्यों के आधार पर बदनाम कर दो सम्प्रदाओं को आपस में लड़ाने, जैनों को गिरनार पर्वत पर न जाने के लिए हिंसा का डर दिखाने आदि गंभीर विषयों पर विश्व जैन संगठन द्वारा दिनांक 3 नवम्बर 2023 को केंद्र सरकार, केन्द्रीय वन मंत्रालय, गुजरात सरकार, गुजरात के वन विभाग व पुरातत्व विभाग और पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही न किये जाने पर आज रामलीला मैदान से आन्दोलन की शुरूआत की गई। पूज्य जैन आचार्य श्री सुनील सागर जी मुनिराज ने कहा कि गिरनार जैन तीर्थ ही नहीं अपितु पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित उड़ीसा की प्रसिद्ध कलिंग जैन राजा खारवेल की प्राचीन जैन गुफा व अंजनेरी की जैन गुफा में अवैध अतिक्रमण और अन्य जैन तीर्थो पर जबरन कब्जा किए जाना भारतीय संस्कृति नहीं।गुजरात और अन्य सरकारों को जैनों की मांग पर कार्यवाही करते हुए उनके संवैधानिक अधिकार को देना चाहिए। सभा का शुभारंभ जैन तीर्थंकरों के चित्रावरण गौरव जैन बलबीर नगर, सुनील जैन ऋषभ विहार, विकास जैन योजना विहार, महेश जैन अरविंद जैन रामगली विश्वास नगर और दीप प्रज्वलन अजय जैन मनोज जैन ऋषभ विहार द्वारा किया गया। जनांदोलन के आरंभ में प्रसिद्ध जैन भजन गायक रूपेश जैन, प्रसन्न जैन और कवि सौरभ सुमन जैन, सजल जैन ने अपने प्रेरक गीतों और कविताओं के माध्यम से गिरनार सहित सभी तीर्थो के संरक्षण की मांगों को प्रेषित किया। सभा में जयपुर शहर से विश्व जैन संगठन के अध्यक्ष बाबू लाल जैन ईटून्दा महामंत्री आशीष जैन पाटनी के नेतृत्व में बसों द्वारा जयपुर समाज के समाजजनों को ले जाया गया, बस व्यवस्था का संयोजन अशोक गुड़ाचन्दजी, राहुल जैन पांड्या, राखी जैन ने किया।

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जिन मंदिर नेमिनाथ जैन कॉलोनी में नवां वार्षिकोत्सव सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जिन मंदिर नेमिनाथ जैन कॉलोनी से.3 उदयपुर का नववाँ वार्षिकोत्सव रत्नत्रय विधान कर मनाया गया है।इस अवसर पर युगमंधर स्वामी समवशरण में स्थित मानस्तंभ में जिनवाणी व हाथी भी विराजमान किये गये। रत्नत्रय विधान /स्वामी वात्सल्य आमंत्रण कर्त्ता श्रीमती कुसुम व श्री जीवनलाल कुरावत कुराबड़ आत्म प्रकाश कुरावत पंकज कुरावत ,गजेंद्र प्रसाद - कुसुम, विजेंद्र कुमार - विमला कुरावत कुराबड परिवार थे।विधान मंडप में जिनवाणी विराजमान कर्त्ता श्रीमती ललिता जैन , पारस कचरावत , श्रीमती हिम्मत जैन , ललित सिंघवी द्वारा की गई। युगमंधर स्वामी समवशरण के

मानस्तंभ में जिनवाणी विराजमान कर्त्ता श्रीमती भगवती जैन डॉ. महावीर प्रसाद शास्त्री, शांतिलाल अखावत, अमृतलाल कुणावत, रोशन लाल फांदोत परिवार द्वारा की गई।हाथी स्थापन कर्त्ता रंगलाल मेहता , कैलास पांडलिया, विमल रटोडिया, पारस कचरावत, सौरभ जैन ,गजेन्द्र कुणावत,सतीश जैन सिद्धार्थ बंसतीलाल ढोलिया ;हेमन्त लिखमावत, रोशनलाल लिखमावत , ललित सिंघवी, श्रीमती प्रीति चेतन जैन द्वारा किये गये ।पूर्व संध्या पर भक्ति संध्या का आयोजन किया गया ।रात्रि में प्रवचन डॉ. महावीर प्रसाद शास्त्री टोकर द्वारा किया गया। वार्षिकोत्सव के इस अवसर प्रातःडॉ. पं. दीपक शास्त्री के प्रवचन का लाभ प्राप्त हुआ ।विधान के रूप में पं . ऋषभ, पं. खेमचंद पं. डॉ. जिनेन्द्र , डॉ.अंकित , डॉ.पं तपीश, पं. हितंकर, पं. अमन आदि शास्त्री विद्वानों का लाभ प्राप्त हुआ ।पं. अंकित शास्त्री द्वारा आध्यात्मिक भजनों से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया।

वेद ज्ञान

जीवन को दिशा देने के लिए सत्संग में नियमित सम्मिलित होना चाहिए

जीवन उत्सवमय तभी होता है, जब सभी को साथ लेकर चलें। एकाकीपन नीरसता लाता है। निष्ठुरता लाता है। संसार में विविधता है और इस विविधता में ही पार पाना है। समूह-भाव से ही जीवन-उत्सव बनता है। परिजन मिलकर रहें। सबको साथ लेकर चलना ही अभीष्ट है। पर्वों को तो विशेष उत्साह से मनाएं। सबके मंगल की कामना करें। पर्वों पर अड़ोस-पड़ोस और परिजनों का विशेष ध्यान रखें। कोई भूखा न रह जाए। केवल अपने लिए जीना या स्व उदरपूर्ति तक केंद्रित रहना अच्छी बात नहीं है। जीवन संस्कारमय तो तभी होगा, जब समग्रता के साथ गुणों का संवर्धन होगा। इसलिए आत्मचेतना का सामाजिक विस्तार निरंतर बना रहना चाहिए। जब ईश्वर ने हमें सेवा के योग्य बनाया है तो सेवा से संबंधित विविध कार्यों का विस्तार होना चाहिए। सेवा हमारे मन की पावन भावना है, जो हमें राग-द्वेष और भेदभाव से ऊपर उठाती है। सामूहिक भाव मन में प्रसन्नता लाता है। पर्व और मेले सामूहिक संस्कार को जगाते हैं, किंतु आज की भागमभाग जिंदगी में हम पर्वों का आनंद भी नहीं उठा पाते। सत्संग में नियमित सम्मिलित होना चाहिए। जीवन को दिशा देने के लिए, विषाद को दूर करने के लिए ये बहुत उपयोगी हैं। इनसे ईश्वरीय विचार पुष्ट होते हैं और मानव जीवन की महिमा पुष्ट होती है। इसलिए आवश्यकता यही है कि हम अपने सोचने का तरीका और दृष्टिकोण बदलें। आनंदमय जीवन की कल्पना तभी प्रत्यक्ष होगी, जब मन में सत्संकल्प और सद्विचार सुदृढ़ होंगे। आइए अपने आनंदमय स्वरूप का चिंतन करें, सर्वकल्याण की कामना करें और परमात्मा की प्रकृति का सदुपयोग करें। ईश्वर ने इतने उपहार दिए हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें। जब परमात्मा ने बिना किसी शुल्क के हमें इतने वरदान दिए हैं तो क्यों न हम भी प्राणिमात्र की सेवाओं को जीवन का अनिवार्य अंग बनाएं? पूर्ण आत्मविश्वास के साथ निडर होकर जीवन क्षेत्र में आगे बढ़ते रहें। हमारा जीवन अमरत्व की साधना है। मृत्यु से अमरत्व की ओर बढ़ना ही जीवन का पर्व है। इस जीवन पर्व को उल्लास और आनंद के साथ पूर्णता दें।

संपादकीय

कॉप28 और कोयले से जुड़े सवाल

दुबई में आयोजित कॉप28 वैश्विक शिखर सम्मेलन में 100 से अधिक देशों ने वैश्विक नवीकरणीय और ऊर्जा क्षमता संकल्प पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका मकसद वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा की वैश्विक क्षमता को तीन गुना बढ़ाकर 11,000 गीगावॉट तक करना एवं ऊर्जा दक्षता में सुधार करते हुए इसकी वैश्विक औसत वार्षिक दर दोगुना करना है। वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने का सबसे महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने वाले भारत ने इस संकल्प पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। कोयले को चरणबद्ध तरीके से उपयोग से बाहर करने और उस क्षेत्र में नए निवेश पर रोक लगाने के संदर्भ में मिल रहे संकेतों की रिपोर्ट को देखते हुए चीन ने भी इस संकल्प को लेकर आगे बढ़ने पर एतराज जताया। कई यूरोपीय देशों द्वारा जलवायु परिवर्तन में सबसे बड़ा कारक और सबसे गंदा ईंधन समझा जाने वाला कोयला पूर्व के सम्मेलनों में भी विवाद का मुद्दा रहा है। इसने यूरोपीय संघ के जलवायु

वार्ताकारों को भारत, चीन और कई अन्य विकासशील देशों के अपने समकक्षों के खिलाफ कर दिया है। यूरोपीय संघ के कुछ देश इसे चीन और भारत से जोड़कर देखते हैं, जो वैश्विक स्तर पर कुछ सबसे बड़े कोयला भंडारों पर काबिज रहे हैं। लेकिन, इस मुद्दे को लेकर यह बहुत ही सतही दृष्टिकोण है। वे यह नहीं समझ रहे हैं कि कोयले के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने का असर न केवल विकासशील देशों पर पड़ेगा, बल्कि कई कारणों से यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्थाओं यहां तक कि नवीकरणीय ऊर्जा यात्रा को भी प्रभावित करेगा। भारत जैसे विकासशील देश की आर्थिक वृद्धि में कोयला ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ स्टील और सीमेंट जैसे उद्योगों में काफी कम लागत वाला व्यावहारिक ईंधन बना हुआ है। चीन और भारत द्वारा पहले से ही विशाल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने के बावजूद नए कोयला संयंत्र स्थापित करना बंद कर देना सामान्य तौर पर वित्तीय दृष्टि से संभव या व्यवहार्य नहीं है। विशेष तौर पर यह सही है कि चीन और भारत दोनों ही प्राकृतिक गैसों एवं पेट्रोलियम के लिए अन्य देशों पर निर्भर हैं और भू-राजनीतिक संकट के दौरान इसकी आपूर्ति में न केवल बाधा उत्पन्न होती है, बल्कि परिवहन लागत भी बढ़ जाती है। जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ा तो पश्चिमी देश भी अपनी अर्थव्यवस्थाओं को गति देने के लिए अचानक कोयले पर निर्भर हो गए। जर्मनी जैसा देश, जो ऊर्जा क्षेत्र में प्राकृतिक गैस का ही इस्तेमाल करता है, भी उस दौरान अपने कोयला आधारित ऊर्जा उत्पादन संयंत्रों को दोबारा चालू करने पर मजबूर हो गया। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पूरे विश्व में कोयले की मांग में वृद्धि हो गई थी। विशेष बात यह कि इस युद्ध के कारण उत्पन्न हुई गैस की कमी और उससे उपजे हालात को यूरोपीय संघ के नेता नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों के माध्यम से आसानी से नहीं संभाल सके। सौर एवं पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन संयंत्रों में तेज वृद्धि के बावजूद लंबे समय तक ऊर्जा भंडारण (एलडीईएस) का मुद्दा संतुष्टिप्रद समाधान तक नहीं पहुंच पाया है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

समझदारी भरा नियमन

यूरोपीय संघ ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) अधिनियम पारित कर दिया है। यह दुनिया भर में एआई से संबंधित पहला कानून है और नियमन तथा निगरानी का एक मॉडल मुहैया कराता है। यह एआई नियमन पर वैश्विक सहमति का मानक भी बन सकता है। भारत भी इस समय इस दिशा में प्रयासरत है और वर्तमान में चल रही एआई वैश्विक साझेदारी शिखर बैठक (जीपीएआई) में इस विषय पर घोषणा दस्तावेज लाने का प्रयास कर रहा है। एआई ने कई क्षेत्रों में विनिर्माण को किफायती बनाया है। इसकी वजह से दवाओं की खोज तेज हुई है तथा पदार्थ विज्ञान शोध में नई पहल हुई है। वैज्ञानिक शोध से लेकर स्वायत्त परिवहन, स्वास्थ्य सेवा और बीमारियों की खोज तक एवं स्मार्ट पावर ग्रिड से लेकर वित्तीय तंत्र और दूरसंचार नेटवर्क समेत यह निजी और सार्वजनिक सेवाओं के स्तर पर बहुत उपयोगी साबित हो सकती है। परंतु एआई आपराधिक गतिविधियों की वजह भी बन सकता है। यह अधिनायकवादी सत्ता के हाथ में अधिक अधिकार देता है। चेहरे को तत्काल पहचानने की क्षमता, व्यापक निगरानी उपाय और भेदभावकारी सामाजिक अंकेक्षण तंत्र इसकी बानगी हैं। कई सैन्य ऐप्लिकेशन से भी खतरे सामने आ सकते हैं जो ऐसे स्वचालित हथियार बनाने में मददगार हो सकती हैं जहां इंसानी हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता ही नहीं होगी। यह स्वचेतन एआई की साइंस-फिक्शन की संभावनाओं से एकदम अलग है जिसमें माना जा रहा है कि वह अपनी प्रकृति को तार्किक ढंग से समझता है और जिज्ञासा के साथ सीखकर काम करता है। ऐसी चिंताओं से समग्रता के साथ निपटा जाना चाहिए और विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं में ऐसे नियमन को लेकर सहमति होनी चाहिए। ऐसा इसलिए कि एआई का बहुत तेजी से चौतरफा प्रसार होता है। आदर्श स्थिति है नियंत्रण की निगरानी और नुकसान की संभावना को कम करना। ऐसा करते समय यह भी ध्यान रखना होगा कि शोध तथा लाभकारी एआई की शुरूआत पर असर न पड़े। यूरोपीय संघ के नियमन एआई के लिए एक तकनीक निरपेक्ष, एकरूप परिभाषा स्थापित करने प्रयास करते हैं जो भविष्य की प्रणालियों पर लागू होंगी। यह अहम है क्योंकि तकनीक का उद्भव बहुत तेज गति से हो रहा है। अवधारणात्मक ढांचा एआई प्रणालियों को जोखिम के अनुसार वर्गीकृत करता है। जोखिम जितना अधिक होगा, निगरानी उतनी ही सख्त होगी और प्रदाताओं और उपयोगकर्ताओं के दायित्व उतने ही अधिक होंगे। सीमित जोखिम वाली व्यवस्था को पारदर्शिता की जरूरत के साथ अनुपालन वाला होना चाहिए जो एआई अधिनियम के साथ सूचित निर्णयों की इजाजत देता है। उपयोगकर्ताओं को यह पता होना चाहिए कि वे कब एआई से संवाद कर रहे हैं। उदाहरण के लिए चित्र, ध्वनि या वीडियो सामग्री तैयार करने वाले सिस्टम या डीपफेक आदि। पारदर्शिता की जरूरतों में यह खुलासा भी शामिल है कि कोई सामग्री एआई से तैयार की गई है। यूरोपीय संघ का कानून कहता है कि सुरक्षा अथवा बुनियादी अधिकारों को प्रभावित करने वाली एआई प्रणालियों को अत्यधिक जोखिम वाला माना जाता है और उसे दो श्रेणियों में बांटा जाता है। एक है खिलौनों, विमानन, कारों, चिकित्सा उपकरणों और लिफ्ट आदि में इस्तेमाल होने वाली एआई और दूसरा विभिन्न क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली एआई जिसे यूरोपीय संघ के डेटाबेस में दर्ज होना चाहिए।

नए कौशल सीखना वैकल्पिक नहीं, अनिवार्य है...

विजय गर्ग

कॅरिअर ग्रोथ के लिए केवल एक निर्धारित कौशल एवं शैक्षणिक योग्यता के साथ दीर्घकालिक लक्ष्यों की पूर्ति मुश्किल है। नई तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में स्थिति निरंतर बदल रही है, जहां युवाओं के लिए कॅरिअर के बेहतर विकल्प मौजूद हैं। इस तेजी से बदलते परिवेश में युवाओं के लिए अवसरों की संभावनाएं जरूर बढ़ रही हैं, लेकिन इन क्षेत्रों में नौकरी करने के लिए केवल एक निश्चित कौशल एवं निर्धारित पात्रताएं ही काफी नहीं हैं। इन क्षेत्रों में खुद की अलग पहचान बनाने के लिए आपको उन कौशलों का मूल्यांकन करना होगा, जो उच्च पेशेवर नौकरियों के लिए आवश्यक हैं।

डिजिटल दुनिया में अद्वितीय मौके

आधुनिक युग में निरंतर नए कौशल की मांग बढ़ रही है, क्योंकि डिजिटल दुनिया में शानदार मौके विकसित हो रहे हैं। नई प्रौद्योगिकियों, ऐप्लिकेशन्स और तरीकों का प्रयोग करने के लिए आपको नए कौशल का विकास करना आवश्यक है। एक तरफ यह आपके व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करता है, तो दूसरी तरफ आपके कॅरिअर को सुरक्षित और प्रगतिशील बनाने में भी मदद करता है।

प्रतिस्पर्धा की क्षमता का विकास

नए कौशल सीखने के पश्चात आप अपने काम को और बेहतर तरीके से कर सकते हैं और अधिक रोचक परियोजनाओं का सामना करने में सक्षम हो सकते हैं। इसके साथ ही आप अपने कॅरिअर निर्माण के लिए नित नए अवसरों की तलाश भी कर सकते हैं। नए कौशल सीखना सिर्फ आपके कॅरिअर को ही बेहतर नहीं बनाता, बल्कि व्यक्तिगत विकास एवं उन मूल्यों को जोड़ने में आपका सहयोग करता है, जो दीर्घकालिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं।

नए क्षेत्र व विषय का चुनाव

आज सीखने का तंत्र और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि यह आपके कॅरिअर में स्थिरता लाने में मदद कर सकता है। यदि आप एक नौकरी की तलाश में हैं, तो नए कौशल सीखने से आपको अपने रिज्यूमे को आकर्षक बनाने में मदद मिल सकती है। इसका एक लाभ यह भी है कि आप नए विकल्प चुन सकते हैं, जिनमें आपकी निपुणता व रुझान हो। इससे आपका दिमाग स्थिरता के साथ सही दिशा में काम करता है और आपका मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर बनता है।

अपने अंदर का कौशल पहचानें

कोई भी नया कौशल सीखने के लिए आपको विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं होती है। आप अपने व्यक्तिगत रुचि और लक्ष्य के आधार पर स्वयं का मूल्यांकन कर सकते हैं और उन कौशलों का चयन कर सकते हैं, जो आपके लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। आगे बढ़ने के लिए नए कौशल सीखना एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण तरीका है, जिससे आप अपना भविष्य बेहतर बनाने के साथ ही समाज में एक अहम स्थान बना सकते हैं।

विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्रिंसिपल
शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब

सहस्रकूट विज्ञातीर्थ के अध्यक्ष अनिल जी बनेठा को मिला गुरू मां से चातुर्मास कलश

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी (राज.) में विराजमान भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सहित श्रावकों को भी नित्य स्वाध्याय ध्यान, अध्ययन आदि का क्रम निरन्तर चल रहा है। निवाई चाकसू आदि समाजों के भक्तगण गुरु माँ की चर्या से जुड़ने पहुंच रहे हैं। पूज्य माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - जीवन में कर्म के साथ धर्म भी करना जरूरी है। यदि हम कर्म ही करते रहे तो हमारा जीवन नरक निगोद के गर्त में चला जायेगा और धर्म के माध्यम से हम स्वर्ग मोक्ष के सुख को प्राप्त कर सकते हैं। जीवन में जब धर्म नहीं होगा तो कर्म का फल भी नहीं मिलेगा। आज के समय में मानव को शादी पार्टी में जाने का समय बहुत व्यस्त रहने के बाद भी मिल जाता है लेकिन जब बात धर्म करने की, मन्दिर में भक्ति की, साधु - संतों की सेवा की आती है तो सब कहते हैं हमें समय नहीं मिलता। नर तन है अनमोल इसको माटी में मत घोल। अब जो मिला है फिर न मिलेगा कभी नहीं कभी नहीं कभी नहीं। बोलते तो सब है लेकिन जीवन में कोई नहीं उतारता। जिस दिन इस सूक्ति को जीवन में चरितार्थ कर लोगे तो इस तन की कीमत समझ आने लगेगी। स्वर्ग के देवता भी इस तन को पाने तरसते हैं और हमें यह मिल गया तो हम धर्म से विमुख होकर इसे बर्बाद कर रहे हैं।

सम्मेद शिखर तीर्थ वंदना के लिए मीटिंग का आयोजन

तीर्थ यात्रा निर्देशिका व पूजन पुस्तिका का हुआ विमोचन

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। सकल दिगम्बर जैन समाज की पावन प्रेरणा से व जय जिनेन्द्र ग्रुप सीकर के तत्वावधान में 9वीं सामूहिक तीर्थयात्रा का आयोजन 24 दिसम्बर 23 से 3 जनवरी 24 तक किया जा रहा है। शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी की महावन्दना के धार्मिक यात्रा कार्यक्रम से पूर्व विस्तृत जानकारी हेतु आवश्यक मीटिंग का आयोजन रविवार को जैन भवन परिसर में आयोजित किया गया। जय जिनेन्द्र ग्रुप द्वारा मीटिंग में उपस्थित यात्रिजनों को यात्रा से संबंधित आवश्यक जानकारी भी दी गई। मीटिंग के दौरान तीर्थ यात्रा निर्देशिका व मधुबन पूजन पुस्तिका का विमोचन यात्रा पुण्यार्जक परिवार व उपस्थित समाज के सदस्यों द्वारा किया गया। समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि मीटिंग में उपस्थित समाज के श्रेष्ठीजनों द्वारा यात्रा संबंधी अपने अनुभव व विचार प्रकट कर सभी यात्रिजनो को आगामी यात्रा हेतु अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की। मीटिंग में पदम पिराका, अनुभव सेठी, प्रदीप लालास सहित समस्त पुण्यार्जक परिवार व समाज के सदस्य उपस्थित थे।

डायबिटीज का निशुल्क मधुमेह स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर संपन्न, 143 जन हुए लाभान्वित

सीकर

सीकर शहर की ख्यातनाम संस्था जैन वीर संगठन देवीपुरा द्वारा रविवार, 17 दिसम्बर को देवीपुरा स्थित श्री चंद्रप्रभु जैन भवन में डायबिटीज की समस्या से परेशान व्यक्तियों के लिए निशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर **रोशनी 2023** का आयोजन किया गया । जैन वीर संगठन के अध्यक्ष सुनील छाबड़ा सेसम वाले एवं मंत्री नवीन कासलीवाल कोलीड़ा वाले ने बताया कि इस चिकित्सा शिविर में पुण्यार्जक समाजसेवी भामाशाह महावीर प्रसाद , महेश कुमार , मनीष कुमार काला (लालास वाले) परिवार ने दीप प्रज्जल्वलन कर शिविर की शुरुवात की । जानकारी देते हुए इस कार्यक्रम के संयोजक अनिल जैन , पंकज छाबड़ा दूधवा, संजय छाबड़ा दूधवा, वैभव पाटोदी, आशीष जयपुरिया, प्रदीप पाटनी ने बताया कि इस विशेष शिविर में प्रदेश के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर सुनील ढंड व उनकी टीम ने अपनी सेवाएं दी। कार्यक्रम की शुरुवात में डाक्टर साहब द्वारा शुगर से बचाव व उसके उपायों पर टॉक शो के माध्यम से प्रकाश डाला गया । कार्यक्रम का संचालन सौरभ पाटनी ने किया ।जैन वीर संगठन के कोषाध्यक्ष सुनील छाबड़ा दूधवा एवं सांस्कृतिक एवं प्रचार मंत्री बबल छाबड़ा दूधवा ने बताया कि इस शिविर में ब्लेड प्रेशर, शुगर, HBA1C, लिपिड प्रोफाइल, BMI, BMD

(हड्डियों की जांच), FIBRO SCAN (लीवर की जांच), FUNDOSCOP (आंख के पर्दे की जांच), न्यूरोपेथी, TSH (थायराइड की जांच) इत्यादि निशुल्क जांच सुविधा उपलब्ध कराई गई ।जैन समाज के टीम वीरध्वनि के विवेक पाटोदी ने विशेष जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में 143 लोगों ने परामर्श प्राप्त किया। शिविर में आगामी प्रोजेक्ट रोशनी 2024 का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर सुनील ढंढ, नगरपरिषद उपसभापति अशोक चौधरी, वैश्य समाज के सुरेश जी, पदम पिराका, रामेश्वरलाल पाटनी, आलोक सेठी, प्रदीप सेसम, जयंत पाटोदी, नरेंद्र शर्मा, सुनील सेसम, नवीन कासलीवाल, महेश लालास, नरेश लालास, सुनील दूधवा, अनिल जैन, वैभव पाटोदी, संजय दूधवा, सौरभ पाटनी, प्रदीप पाटनी, बबल दूधवा, विनय कालिका, अशोक पहाड़िया हरीश बड़जात्या, जयकुमार पाटनी, नरेश कालिका, अजीत जयपुरिया, मनोज झीधर, मनोज बाकलीवाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

सुजलांचल समिति ने की जरूरतमंद परिवार की मदद

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया। निकटवर्ती ग्राम चरला में एक जरूरतमंद परिवार की मदद सुजलांचल विकास मंच समिति द्वारा कंवरीलाल काला की प्रेरणा से की गई। समिति उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि एक दिव्यांग परिवार उसके पीछे पत्नी सहित 6 पुत्र पुत्रियां है। उसे किसी भी प्रकार की कोई सरकारी योजना का लाभ नही मिल रहा था। दिव्यांग होने के कारण काम करने में सक्षम नही होने के कारण परिवार का लालन पोषण नही कर पा रहा था इसके चलते समिति के सदस्यों ने समिति के सरक्षक जयपुर प्रवासी कंवरीलाल काला की प्रेरणा से परिवार की मदद करने की सोची इसके चलते 2 माह की राशन सामग्री,बर्तन कंबल,सभी के लिए स्वेटर व आजीविका चलाने के लिए सिलाई मशीन भी परिवार को दी गई व बच्चो को स्कूल में भर्ती कर पढ़ाने हेतु हर संभव मदद करने का आश्वासन समिति द्वारा परिवार को दिया गया।उल्लेखनीय है कि इस परिवार को खुद का रहने का घर तक नही है किसी दूसरे के खेत में अपना गुजर बसर कर रहा है हर सरकारी योजना से वंचित इस पीड़ित परिवार की मदद के लिए सुजानगढ़ के हर सामाजिक संगठन को आगे आकर परिवार की मदद करनी चाहिए। पार्षद उषा बगड़ा ने अच्छे हॉस्पिटल में डॉक्टर की सलाह पर कृत्रिम पैर लगवाने की व हरसंभव परिवार को मदद करने की घोषणा की। इस दौरान समिति सचिव विनीत कुमार बगड़ा, चरला सरपंच मनसुख गोदारा, देवी सिंह राठौड़,मनोज सोनी सारोठिया, उपस्थित थे।

बाबेल को बनाया अध्यक्ष, मंत्री मेहता और कोषाध्यक्ष डागलिया आदि सभी पदों पर निर्विरोध किया गया चयन

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। अहिंसा भवन शास्त्री नगर के मुख्य मार्गदर्शक अशोक पोखरना पोखरना,हेमन्त आंचलिया, दिनेश बम्ब और शांति भवन के अध्यक्ष महेन्द्र छाजेड़, सुशील चपलोत आदि पदाधिकारियों और अहिंसा भवन श्री संघ के सैकड़ों सदस्यों की सर्व सहमति से दोपहर अहिंसा भवन मे चुनाव अधिकारी शांतिलाल कांकरिया, अशोक गुगलिया ने सभी सदस्यों की सहमति से अहिंसा भवन श्रीसंघ का अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल, उपाध्यक्ष पद पर ओमप्रकाश सिसोदिया, विनोद बोहरा तथा मंत्री दिनेश मेहता और सह मंत्री पद हुक्मीचंद खटोड़, कोषाध्यक्ष जसवंत सिंह डागलिया आदि सभी को अहिंसा भवन श्रीसंघ के पदो पर निर्विरोध मनोनीत की किया गया। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने नवनियुक्त अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल एवं अन्य पदो पर चुने गये सभी पदाधिकारियों को बधाई दी । इस दौरान बाबेल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पद समाज के व्यवस्था के लिए है न कि अपने लिए है एक अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता है सभी के सहयोग और मार्ग दर्शन से ही समाज की ख्याति और गौरव दिला सकते हैं।

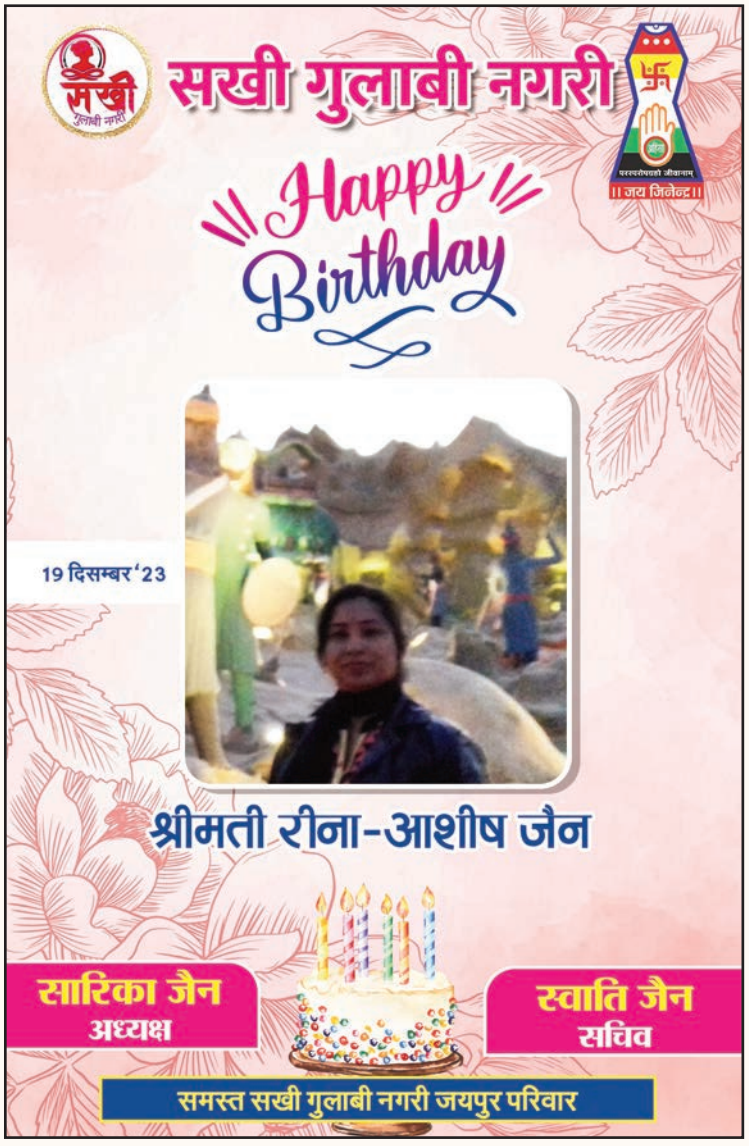

विश्व जैन संगठन ने दिल्ली में रामलीला मैदान पर तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ आंदोलन का आगाज

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ आन्दोलन में हजारों की संख्या में देश के कोने कोने से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विश्व जैन संगठन के प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस आंदोलन में इंदौर, भोपाल, बदनावर वर्धमानपुर, शिवपुरी, अशोक नगर, टीकमगढ़, ललित पुर गाजियाबाद, लखनऊ, नोएडा, सांगली महाराष्ट्र, मुंबई, नासिक, पुणे, आदि देश के हर कोने से तीर्थ रक्षक आए हुए थे। इस आंदोलन में बुजुर्ग, महिला पुरुष

बच्चे सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने एक स्वर में अपने प्रत्येक तीर्थ की रक्षा के लिए आवाज उठाई। और जय घोष करते हुए जब तक सुरज चांद रहेगा तीर्थ क्षेत्रों का सम्मान रहेगा। बात चाहे गिरनार की हो, चाहे उदयगिरि की, चाहे अंजनगिरि हो, चाहे ग्वालियर के महावीर मंदिर की हो, इंदौर के गोम्मटगिरी सभी का संरक्षण हमे चाहिए। हमे गिरनार पर दर्शन पूजन का अधिकार जो हाई कोर्ट का 17 फरवरी 2005 के आदेश का पालन करे। साथ ही जैन संत आचार्य सुनील सागर जी महाराज ने भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि जैन समाज किसी भी संवैधानिक न्याय नहीं मांग रहा है केवल और केवल दर्शन पाठ पूजा जो कोर्ट के द्वारा आदेशित 2005 में दिया हुआ है उसका आदेशों का पालन किया जाए और सौहार्द बना रहे आपस में मेल मिलाप बना रहे,इसी श्रृंखला परम पूज्य मुनि श्री सुधा सागर जी, मुनि श्री आदित्य सागर जी, मुनि श्री प्रणुत सागर जी ने कहा कि हिंदू जैन जैसे शब्दों का और संतो के प्रति अपशब्दों का प्रयोग ना करें। इस कार्यक्रम में इंदौर से भी विश्व जैन संगठन के कई पदाधिकारियों ने उपस्थित देकर तीर्थ और धर्म की रक्षा के लिए हुंकार के साथ संकल्पित होकर विश्व जैन संगठन इंदौर के अध्यक्ष मयंक जैन, ओम पाटोदी (महामंत्री), एड.पारस जैन (सचिव), नीरज जैन , निर्मल गंगवाल, दिनेश जैन, संगम जैन एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

हड्डी जांच शिविर में 82 लाभान्वित, डाक्टर जितेश जैन का सम्मान किया

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्रीमती गुणमाला देवी कमल कुमार पाण्ड्या के सौजन्य से 14 वा निःशुल्क हड्डी, जाँच जॉइन्ट, लिगामेंट, घुटना रिप्लेसमेंट सर्जरी विषेषज्ञ डॉ. जितेश जैन (राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर) द्वारा अरिहंत हेल्थ सेंटर पर 10 बजे से 4 बजे तक आयोजित किया गया। शिविर संयोजक वीर सम्पत बगड़िया, वीर प्रदीप काला, वीर सुरेश कुमार जैन, वीर रमेश पहाड़ियां ने बताया कि हड्डी रोग शिविर में 82 रोगियों को निःशुल्क परामर्श दिया गया। शिविर में 35 एक्सरे, खुन संबंधी 39 जाँचे निःशुल्क की गई। शिविर शुभारम्भ पर वरिष्ठ डाक्टर जिनेश जैन द्वारा निशुल्क सेवा प्रदान करने पर संस्था सदस्यों द्वारा तिलक माला साफा डुप्टा पहनाकर सम्मान पत्र देकर सम्मानित कर बहुमान किया साथ ही संस्था के सेवा कार्यों से प्रेरणा से नए सदस्य बनने पर रमेश पहाड़ियां, गिरधारी दिक्षीत, संजय अग्रवाल का माला पहनाकर स्वागत किया गया। शिविर प्रभारी नरेश जैन ने बताया कि दानदाता परिवार से वीर कैलाश चंद पांड्या, वीर रामावतार गोयल, अजित पहाड़ियां, वीर तेजकुमार बड़जात्या, वीर सुनील पाटनी, राजेश अग्रवाल, महेश लठा, सलोनी जैन, राजकुमार सेठी, दिनेश शेखराजका, चन्दु, बोदूराम ने निःस्वार्थ सेवाएं देकर शिविर को सफल बनाने में सहयोग किया।

स्मृति दिवस

(जन्म: 12-5-1938 स्वर्गवास 19-12-2001)

आप, अब भी यादों में बसे हो, बन बहुरंग पुष्प, हमारे गुलशन में खिले हो।
आपसे रिक्त इस, घने अंधियारे में ; जगमग दीपक की तरह, जीवन को रोशन किए हो।।

(19 दिसम्बर) स्मृति दिवस पर सादर नमन

गुणमाला देवी (धर्मपत्नी), अशोक-अनिला, दिनेश-संगीता, राजेश-सुनीता (पुत्र-वधू), मंजू-कमल ठोलिया, ममता–मनोज शाह, समता-राकेश गोदिका (बेटी-दामाद) एवं समस्त गंगवाल परिवार साड़ी घर वाले।

निवास : 247, 248 महावीर नगर, जयपुर

नन्हें-मुन्नों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने किया मंत्रमुग्ध

निम्फ (द प्री-प्रायमरी) स्कूल का वार्षिकोत्सव उड़ान 2023 संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। हनुमान नगर स्थित निम्फ (द प्री-प्रायमरी) स्कूल का वार्षिकोत्सव रविवार को वैशाली नगर स्थित टैगोर पब्लिक स्कूल के भारतम ऑडिटोरियम में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं जिन्हें देख आगंतुक मंत्रमुग्ध रह गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बी.ए.पी.एस. श्री स्वामी नारायण अक्षरधाम मंदिर के महंत साधु सर्व दर्शनदास थे। समारोह का शुभारंभ घर में पधारो गजाननजी की मधुर धुन के साथ दीप प्रज्जवलन से हुआ। इसके बाद समारोह में आए सभी आगंतुकों का स्वागत-अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में स्कूल निदेशक दीपा सिंह ने वृत्तचित्र के माध्यम से आगंतुकों को विद्यालय की शैक्षणिक और अशैक्षणिक गतिविधियों के साथ विद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन से भी अवगत करवाया। इसके बाद स्कूल शिक्षिका नीलम और रिया ने स्वागत भाषण दिया। छोटे बच्चों द्वारा की गई गणेश वंदना सुन आगंतुक भाव-विभोर हो गए। इसके बाद मस्ती की पाठशाला कार्यक्रम हुआ जिसमें बच्चों ने जमकर मस्ती की। नन्हें बच्चों द्वारा प्रस्तुत पीजी डांस और हूपला डांस की प्रस्तुतियों ने जमकर तालियां बटोरी। गोविंद बोलो पर जब बच्चों ने नृत्य की प्रस्तुति दी जिसे देख ऑडिटोरियम तालियों से गूंज उठा। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि साधु सर्वदर्शनदास ने अपने आशीर्वचन में कहा कि छोटे बच्चों द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को देख वे अभिभूत हो गए। उन्होंने स्कूल के समस्त स्टॉफ को इसके लिए साधुवाद दिया। कार्यक्रम में एम.पी. सिंह, सीएफओ देवेंद्र सिंह चौहान सहित अभिभावक और आगंतुक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

आचार्य नवीन नंदी महाराज का हुआ भव्य मंगल प्रवेश

दहमी में हुआ भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव का बरकत नगर ऐतिहासिक चातुर्मास के बाद जयपुर की विभिन्न कालोनियों में जिन मंदिरों के दर्शन के पश्चात दहमी कलां में आज भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया आचार्य श्री शनिवार को दोपहर 1.00 बजे पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पार्श्वनाथ कॉलोनी ,निर्माण नगर से मंगल विहार हुआ। संघपति प्रदीप पाटनी ने बताया यहां से विहार कर गुरुदेव का बड़ के बालाजी मंदिर में रात्रि विश्राम हुआ। संगठन मंत्री गौरव जैन ने बताया रविवार को प्रातः आचार्य श्री ने बड़ के बालाजी से प्रस्थान कर प्राचीन ऋषभ देव दिगंबर जैन मंदिर में प्रवेश किया। रास्ते में सभी गांव के भक्तों ने पाद प्रक्षालन किया और गुरुदेव की घर घर में आरती उतारी। इस अवसर पर गुरुदेव ने सभी को आशीर्वचन प्रदा किए। कार्यक्रम में महावीर पाटनी, रमेश ठौलिया, मनोज पाटनी, रूप चंद, नवीन जैन बगरु, प्रदीप पाटनी, गौरव जैन, सिमरन जैन, जयपुर, उपसरपंच सीताराम शर्मा, रामस्वरूप,नंदकिशोर गर्ग, कन्हैया शर्मा, चेतन शर्मा, मूलचंद शर्मा, अशोक शर्मा, नमोनारायण शर्मा आदि उपस्थित थे।

अभिनेत्री सोनम पाटनी ने ब्रह्मा जी के मंदिर के दर्शन किए

राज पाटनी. शाबाश इंडिया

लाडनूं। राजस्थानी व हिंदी फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री सोनम पाटनी ने पुष्कर में विख्यात ब्रह्मा जी के मंदिर के दर्शन किए व अपनी आने वाली फिल्मों की सफलता की कामना की। सोनम पाटनी अभिनीत राजस्थानी फिल्म मायरो, मुकलावो व बिंदोरी इन दिनों स्टेज एप्प राजस्थानी पर चल रही है जिनमें उनके अभिनय की काफी सराहना की जा रही है। इससे पहले बाबुल थारी लाडली, आपां ने तो बेटी बचाणी है, जरी वाला आसमान, देख्या ठा पड़सी, आ तो जोर की होई, देवी एक मां, भीगे होंठ तेरे आदि राजस्थानी व हिंदी फिल्मों में अभिनय कर चुकी सोनम पाटनी ने अपनी आने वाली फिल्मों प्राइड आफ राजस्थान व गैंगस्टर के लिए ब्रह्मा जी के मंदिर के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि ब्रह्मा जी के पुष्कर से जुड़े प्रकरण पर एक भव्य फिल्म का निर्माण होना चाहिए। सोनम पाटनी अपने परिजनों के साथ ब्रह्मा जी के मंदिर के दर्शन करने आई थी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री हिंदू अनाथ आश्रम में कम्बल वितरण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री हिंदू अनाथ आश्रम नाटाणियों का रास्ता जयपुर में आज समाज के जरूरतमंद लोगों में कम्बल वितरित किए गए । मोदी खाना चौकड़ी और किशनपोल बाजार तथा चौड़ा रास्ता, के वाशिन्दो ने निशुल्क कंबल प्राप्त किये। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार सचिव रमेश गंगवाल ने बताया कि 100 वर्ष पुरानी अनाथ आश्रम संस्था, अनाथ एवं जरूरत मन्द विद्यार्थियों के लिए रहने तथा शिक्षा प्राप्ती हेतु निशुल्क व्यवस्था करती है। इस अवसर पर पदाधिकारी बाबूलाल चतुर्वेदी, अशोक लुहाडिया, रमेश गंगवाल आदि मौजूद थे।

स्वर्गीय चांदमल जी मीणा की द्वितीय पुण्यतिथि पर 83 यूनिट रक्त एकत्र हुआ

बूंदी. शाबाश इंडिया

रक्त सेवा परिवार टीम की ओर से स्वर्गीय चांदमल मीणा के द्वितीय पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शाम 5 बजे तक कुल 83 यूनिट रक्तदान एकत्रित हुआ। रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रुप में पूर्व सरपंच बुद्धि प्रकाश मीणा ने दीप प्रज्वलित कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। आयोजनकर्ता दिनेश मीणा और रामलक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर ने बताया कि रक्तदान महादान होता है इस रक्तदान शिविर में आधे से ज्यादा लोगों ने पहली बार रक्तदान किया। रक्त सेवा परिवार टीम के अध्यक्ष व आयोजन कर्ता के छोटे भाई दीपक मीणा ने बताया कि यह रक्त थैलेसीमिया, एक्सीडेंट केस, गर्भवती महिलाओं को चढ़ाया जाएगा । इस रक्तदान शिविर में विशिष्ट अतिथि भानु प्रताप जी रहे उन्होंने रक्तदाताओं का हौसला उत्साहित किया। इस रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वाले अरविंद मीणा पूरण मीणा, छोटूलाल , जितेंद्र सिंह, सत्य प्रकाश महावर जमना लाल केवट गणेश, यशवंत,अजय आदि मौजूद रहे।

"बिम्बिसार" के प्रीमियर के साथ एक रोमांचक सफर के लिए हो जाइए तैयार, 23 दिसंबर को शाम 7:30 बजे एंड पिक्चर्स पर

जयपुर. शाबाश इंडिया। एंड पिक्चर्स पर एक रोमांचक मूवी नाइट के लिए तैयार हो जाइए! इस चैनल पर 23 दिसंबर को शाम 7:30 बजे पहली बार सुपरहिट फिल्म "बिम्बिसार" दिखाई जा रही है। नंदमूरि कल्याण राम की बेमिसाल अदाकारी के साथ यह फिल्म दर्शकों को एक जबर्दस्त सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। अपनी दिलचस्प कहानी, रोमांचक सीन्स और शानदार कलाकारों के साथ 'बिम्बिसार' यकीनन देखने लायक फिल्म है। रोमांचक होगा सफर, जब पांचवी सदी का राजा आएगा 2023 में! एंड पिक्चर्स पर 'बिम्बिसार' अपने साथ लाएगा, पुराने जमाने के ठाठ-बाट से लेकर आज के दौर के रहस्य। इस बेमिसाल सफर पर आगे बढ़ेगा पांचवी सदी का एक क्रूर राजा बिम्बिसार, जो एक जादुई आईने के जरिए साल 2023 में आ जाता है, जहां उसे आज की दुनिया की उलझनों का सामना करना पड़ता है। दो समय काल का यह संगम रहस्य और रोमांच से भरपूर एक शानदार कहानी पेश करता है। जहां बिम्बिसार 21वीं सदी के टेक्नोलॉजी के करिश्मों और समाज की बारीकियों से गुजरता है, वहीं उसका सफर खुद की खोज की एक दिलचस्प परत खोलता है। यह जादुई आईना न सिर्फ वक्त की सैर कराता है बल्कि उस किरदार की गहराइयों में भी उतर जाता है, जहां उसे अपने पिछले कर्मों का फल भुगतना पड़ता है। एनटीआर आर्ट्स के निर्माण में बनी फिल्म बिम्बिसार एक रोमांचक फैमिली एंटरटेनर, जबर्दस्त एक्शन, फैंटेसी, ह्यूमर और कई सनसनीखेज मोड़ पेश करने के इस स्टूडियो के वादे की एक शानदार मिसाल है।

नचिकेतन पब्लिक स्कूल में अभिभावक-अध्यापक सम्मेलन का आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। नचिकेतन पब्लिक स्कूल में आज सत्र 2023-24 के तृतीय "**अभिभावक-अध्यापक सम्मेलन**" का आयोजन किया गया। इस आयोजन का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर किया गया। सम्मेलन में कक्षा नर्सरी से नौवीं तथा ग्याहरवीं के छात्र-छात्राओं के अभिभावकों से विद्यार्थियों की मासिक परीक्षा परिणाम, शिक्षा व सुरक्षा जैसे अहम विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस चरण में अभिभावक उपस्थिति 88% रही। अभिभावकों के दिए गए सुझाव पंजिका में दर्ज किया गया। इस अधिवेशन में आए हुए अभिभावक सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं से वार्तालाप करके गए। अधिवेशन के दौरान प्रत्येक अभिभावक की समस्याओं को सुना गया व उनका उचित समाधान किया गया। इस आयोजन के दौरान कक्षा नौवीं व ग्याहरवीं कक्षाओं के अभिभावकों से विशेष बातचीत की और सी.बी.एस.ई. निर्देश, विद्यार्थियों की सुरक्षा आदि विषयों पर चर्चा की गई। अभिभावक-अध्यापक सम्मेलन विद्यालय प्रबंधन समिति व अध्यापकों के इलावा मंच संचालक बलविन्द्र सिंह, विद्यालय प्रैस प्रवक्ता गुरसेवक सिंह व अन्य सहायक स्टाफ की अहम भुमिका रही। कार्यक्रम के सम्बोधन में मंच संचालक बलविन्द्र सिंह ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों की शिक्षा और सुरक्षा को लेकर उठाए गए अहम पहलुओं को अभिभावकों के समक्ष रखा और उनसे वचन लिया गया कि वे अपने बच्चे के उज्ज्वल भविष्य के लिए विद्यालय को हर जरूरतों पर सहयोग करेगें व अपने बच्चों को रोजाना समय देगें तथा उनके प्रथम मार्गदर्शक के रूप में कार्य के रूप में कार्य करेंगे।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा में शीतकालीन प्रवास के लिए श्री फल भेंट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा के मुख्य समन्वयक निर्मल पांड्या , अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी एवं मंत्री दिनेश काला ने बताया कि परम पूज्य ज्ञान योगी संस्कार प्रणेता आचार्य श्री 108 सौरभ सागर जी गुरुदेव के चरण हमारे यहां झोटवाड़ा में भी पड़े, गुरुदेव का आशीर्वाद हम सभी झोटवाड़ा वासियों को मिले । इस हेतु रविवार दिनांक 17 दिसंबर 2023 को प्रातः 8:15 बजे श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, वरुण पथ पर आचार्य श्री को श्रीफल भेंट किया। श्रीफल भेंट करने में उपस्थित रहे वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुगन पापड़ीवाल, उपाध्यक्ष महेश बांछल, कोषाध्यक्ष अशोक गंगवाल, कार्यकारिणी सदस्य विजय सोगानी, दीपक सेठी, मुकेश सेठी, अशोक बज, राकेश रावका, कालूराम, कमल गंगवाल, सुरेश पाटनी, महिला मंडल की उपाध्यक्ष तारा देवी पांड्या एवं ज्योति जैन एवं समाज के अन्य गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

जवाहर कला केन्द्र में प्रकाश संयोजन कार्यशाला शुरू:पांच दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागी सीखेंगे लाइट डिजाइन, प्रदेशभर से 20 रंगकर्मी ले रहे हिस्सा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित प्रकाश संयोजन कार्यशाला की विधिवत शुरूआत हुई। इस दौरान केन्द्र की अति. महानिदेशक प्रियंका जोधावत, अन्य प्रशासनिक अधिकारी व प्रतिभागी मौजूद रहे। पांच दिवसीय कार्यशाला में 20 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इसमें बिस्मिल्लाह खान नेशनल अवॉर्डी मिलिंद श्रीवास्तव और एनएसडी की विजिटिंग फैकल्टी दौलत वैद्य प्रकाश संयोजन की तकनीक व अन्य पक्षों की जानकारी प्रतिभागियों को दे रहे हैं। प्रियंका जोधावत ने कहा कि मंचीय प्रस्तुति में प्रकाश संयोजन का बड़ा महत्व है, कलाकार विशेषज्ञों के जरिए इसे सीखकर प्रस्तुति को खास बनाए। प्रशिक्षक दौलत वैद्य ने कहा कि प्रकाश संयोजन के बिना थिएटर अधूरा है, यह एक दृष्टिकोण पैदा करता है। कार्यशाला में लाइट का इतिहास, मूल जानकारी, लाइट डिजाइन के एलिमेंट्स व अन्य जानकारियां दी जाएगी, जिससे थिएटर आर्टिस्ट के लिए लाइट डिजाइन भी एक प्रोफेशन बन सके।